जनार्दनस्वामी योगाभ्यासी मंडळ, रामनगर, नागपूर

आसन प्रवेश

विषय - शरीर विज्ञान

समय दो घण्टे | गुरुवार दि. २ जून २०११ | कुल अंक १००

सूचनाः १. कोई भी पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
२. सभी प्रश्नों के समान गुण।
३. आवश्यकता नुसार सुस्पष्ट, नामांकित (लेबल्ड) रेखाचित्र बनाइए।

प्र. १. ग्रंथियोंकी रानी (मास्टर ग्लैण्ड) की विस्तृत जानकारी दिजीए।

या (OR)

कण्ठस्थ ग्रंथी (थाईराईड ग्लैण्ड) की रचना एवम् कार्य समझाइए । २०

प्र. २. क) निम्न लिखित विधानों के लिए सही पर्याय चुनिए। १०

१. दूध के दांतोंकी (मिल्क टिथ) संख्या (१९,२०,२१,२२)
२. लाल रक्तपेशीयों (आरबीसी) में पाया जाता है (मोनोग्लोबिन, हिमोग्लोबिन, क्लोरोब्रोमिन)
३. शरीर में निष्क्रिय ग्रंथी (पिनिअल, पिट्युटरी, पँक्रियाज, स्प्लिन)
४. मनुष्य का वैज्ञानिक नाम (होमोसेपियन, मोनोसेपियन, ग्लोमोसेपियन, इन में से नही)
५. पानी का शोषण यहाँ होता है। (बडी आंत, छोटी आंत, यकृत, स्वादुपिण्ड)

ख) सही या गलत बताइए - (right or wrong) १०

१. हृदय के स्नायु 'ऐच्छिक स्नायु' (वालेंटरी) होते है।
२. हमें दोनो आँखों से एकही चीज दिखती है।
३. जठर (स्टमक) में अन्नका पचन पूर्ण होता है।
४. पुरुषों के स्वरतंतु (वोकल कार्ड) लचिले और छोटे होते है।
५. छोटा मेन्दु (लिटिल ब्रेन) स्नायुओं की हलचल को नियंत्रित करता है।

प्र. ३. जोड (जाईंट) की परिभाषा देते हुए निर्दोष जोडों के (परफेक्ट जाईंट) के विभिन्न प्रकार सोदाहरण बताइये।

या (OR)

मानव शरीर की विशेषताए बताईए। २०

प्र. ४. क) टिप्पण्णी लिखिए (कोई भी चार) १०

१. स्वादुपिण्ड (पैंक्रियाज) २. त्वचा (स्किन) ३. छोटी आंत (small intestine)
४. प्रतिक्षिप्त क्रिया का मार्ग (रिफ्लेक्स आर्क) ५. अस्थि वलय (girdles)

ख) केवल नामांकित रेखाचित्र (लेबल्ड डाइग्राम) बनाईये वर्णन की आवश्यकता नही है।

१. बडा मेन्दु (ब्रैन)
२. अंतःस्त्रावी ग्रंथियों के स्थान (लोकेशन ऑफ एंडोक्राईन ग्लैंड्स) १०

प्र. ५. श्वसनतंत्र (रेस्पिरेटरी सिस्टीम) की जानकारी दिजीए।

या (OR)

मनुष्य के शरीर में हृदय का कार्य बताइए। (फंक्शन ऑफ हार्ट) २०

प्र. ६. टिप्पणी दिजीए

१. दोहरा रक्तपरिसंचरण (डबल सर्क्युलेशन)

२. स्वायत्त मज्जासंस्था (ऑटोनॉमस नर्व्हस सिस्टीम)

या (OR)

पचन संस्था (डाइजेस्टिव) में सम्मिलित अंगों की संक्षिप्त जानकारी दे। २०

प्र. ७. अ) ऋषीमुनियोद्वारा बतायी गई निरोगत्व की व्याख्या श्लोकद्वारा स्पष्ट करे। १०

निरोगत्व का आहार से संबंध जोडकर आहार की व्याख्या तथा वर्गीकरण स्पष्ट करे.

या (OR)

आहार के समय के बारेमे बताते हुये, घेरंडमुनीप्रणित आहारके प्रमाण को श्लोक द्वारा स्पष्ट करते हुये मिताहार की संकल्पना स्पष्ट करे !

ब) व्याख्याए स्पष्ट करे (कोई भी दो) ५

१) चतुर्विध आहार २) तुष्टीकर और पुष्टीकर आहार ३) अद्धाशन ४) विषमाशन

क) रिक्त स्थान की पूर्ती किजिये ५

१) सोने के पूर्व---------- घंटे अवकाश रखकर रातका भोजन करना चाहिये

२) सुबह भोजन के बाद-------- रातमे सोनेकेपूर्व ---------- और प्रातःकाल उठनेकेबाद--------- पिनेसे वैद्य की जरुरत नही रहती है ऐसा शास्त्रमे कहा है !

३) निर्देशित मात्रा से बहुत अधिक अन्न ग्रहण करने को --------- कहते है!

या (OR)

प्रश्न ७ अ) द्रवरुप आहार श्लोकद्वारा स्पष्ट करते हुये भोजनोत्तर क्रियाये एवं सावधानियाँ संक्षेप मे लिखिये।-------- १०

या (OR)

भोजनपूर्व सावधानियॉ तथा आहारके पथ्य के बारेमे विस्तृत जानकारी दिजीये।

ब) व्याख्या स्पष्ट करे (कोई भी दो)

१) अनतिसंस्कृतम् २) अशाकभूक ३) यातयामता ४) विरुद्धाशन ५

क) सही या गलत बताईये

१) याम इस कालघटक का अवधी ८ घंटे होता है। ५

२) जानते हुये भी नियमोंका पालन ना करना इसे प्रज्ञापराध कहते है।

३) रस, रक्त और मांस ये हमारे शरीर के त्रिदोष है।

४) शक्कर को मीठा जहर कहते है।

५) भोजनके पश्चात जो दौडता है उसके पीछे मृत्यू दौडती है।